जनसत्ता

Date 12.8.11

Pg.no. 4

राशन वितरण व्यवस्था से लोग असंतुष्ट

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 11 अगस्त। दिल्ली में गरीब तबके के ज्यादातर लोग सरकार की राशन वितरण व्यवस्था से संतुष्ट नहीं हैं। साथ ही दिहाड़ी मजदूरों में से केवल 31.5 फीसद के पास ही बीपीएल कार्ड है। इसके अलावा 17 फीसद के पास राशन लेने के लिए कोई कार्ड नहीं हैं। रोजी रोटी अधिकार अभियान दिल्ली की तरफ से कराए गए एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है।

प्रेस कांफ्रेस में विभिन्न संगठन की अंजलि भारद्वाज, धर्मेंद्र, दीपा सिन्हा, रशपाल कौर और विमला ने गुरुवार को साझा प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी देते हुए कहा कि सर्वे में यह बात सामने आई है कि दिल्ली से गरीब तबके के लोग राशन व्यवस्था को खत्म करने की बजाय उसमें सुधार के पक्षधर हैं। संगठनों ने मांग की है कि राशन व्यवस्था (पीडीएस) में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। जिसके तहत पारदर्शिता बढ़ाना, सशक्त शिकायत निवारण प्रणाली, घर-घर जाकर राशन वितरण और राशन दुकानदारों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

हाल ही में दिल्ली सरकार ने राशन व्यवस्था समान करके प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण लाने की कोशिश की है। इसके तहत योग्य लोगों को उनके बैंक खाते में एक निश्चित राशि दी जाएगी। जिसे वे अपनी इच्छा के मुताबिक खर्च कर सकेंगे। सरकार का तर्क है कि इस व्यवस्था से गड़बड़ी कम होगी और सरकार का वित्तीय बोझ भी कम होगा। सेवा और इंडिया डेवलपमेंट फाउंडेशन के साथ मिलकर दिल्ली सरकार ने यूएनडीपी की वित्तीय सहायता से रघुवीर नगर में सौ परिवारों पर यह योजना लागू भी हुई है। इस योजना में सौ परिवारों को राशन के बजाय प्रति महीने एक हजार रुपए दिए जाएंगे।